K15U 0505

Reg. No. : ....

Name : ....

I Semester B.A./B.Sc. Degree (CCSS-Reg./Supple./Improv.) Examination, Nov. 2015
Common Course in Hindi
1A07 HIN : KAVITHA AUR KAHANI
(2014 Admn. Onwards)

Time : 3 Hours | Max. Marks : 40

I. **निर्देश:** कम से कम **300** शब्दों में किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **(1×7=7)**

1) कहानी के तत्वों के आधार पर 'चीफ की दावत' कहानी की समीक्षा कीजिए।

2) 'कफन' में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ पर प्रकाश डालिए।

II. **निर्देश:** कम से कम **300** शब्दों में किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **(1×7=7)**

3) 'बीस साल बाद' कविता में स्वर प्राप्त भारत की दुर्दशा पर विचार कीजिए।

4) 'शोकगीत' में अभिव्यक्त आदमी की विडंबना पर प्रकाश डालिए।

III. कम से कम **125** शब्दों में किसी **एक** अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(1×3=3)**

5) कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढ़े वन मांहिं ।
ऐसे घटि घटि राम है, दुनिया देखै नांहिं ।।

6) रावरे दोष न पायँन को, पगधूरि को भूरि प्रभाउ महा है ।
पाहन तें बन-बाहन काठ को कोमल है, जल खाई रहा है ।।
पावन पाँय पखरि के नाव चढ़ाइहौं, आयसु होत कहा है ।
तुलसी सुनि केवट के बर बैन हँसे, प्रभु जानकी ओर हहा है ।।

IV. **निर्देश:** कम से कम **125** शब्दों में किन्हीं **दो** अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(2×3=6)**

7) चढ़ रही थी धूप ;
दिवा का तमतमाता रूप
उठी झुलसाती हुई लू,
रुई ज्यों जलती हुई भू,
गर्द चिनगीं छा गयीं,
प्राय: हुई दुपहर :-
वह तोडती पत्थर।

P.T.O.

8) सारे संदर्भों के पार
मुश्किल से उड़कर पहूँची हूँ,
ऐसे ही समझी – पढ़ी जाऊँ
जैसे
अधूरा अभंग!

9) मैं क्षितिज–भृकुटि पर घिर धूमिल
चिन्ता का भार बनी अविरल,
रज–कण पर जल–कण हो बरसी
नव जीवन अंकुर बन निकली।

V. कम से कम **125** शब्दों में किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×3=9)**

10) 'रहीम के दोहों में नीति के सिद्धांत मिलते हैं' – इस कथन का समर्थन कीजिए।

11) 'हिमाद्रि तुंग श्रृंग से' असल में एक उद्‌बोधन गीत ही है – समझाइए।

12) 'वह तोडती पत्थर' नामक कविता के माध्यम से निराला जी ने श्रमिक वर्ग की कुंठा एवं निराशा किस प्रकार व्यक्त किया है ?

13) धूमिल ने आज़ाद भारत का कैसा चित्र खींचा है ?

14) 'मैं तुम लोगों से दूर हूँ' कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

VI. **निर्देश:** कम से कम **चार** वाक्यों में किन्हीं **आठ** पर टिप्पणियाँ लिखिए। **(8×1=8)**

15) सूर की भक्ति भावना।

16) तुलसी की समन्वय भावना।

17) महादेवी का वेदना भाव।

18) अनामिका का नारी संबंधी विचार।

19) 'प्रथमरश्मि का आना' का संदेश।

20) 'वक्त' कविता का भाव।

21) 'औरतें' कविता का प्रतिपाद्य।

22) 'नए इलाके में' कविता की विशेषताएँ।

23) 'बेजगह' कविता का संदेश।

24) पंतजी का प्रकृति चित्रण।

———————